>

Title: Need to bring back the black money deposited in the foreign country.

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): सभापति जी, आज़ादी के बाद देश में एक ऐसी अर्थव्यवस्था खड़ी हुई जिसके कारण देश में एक पैरलल इकोनॉमी, समानांतर अर्थव्यवस्था खड़ी हो गई और इस समानांतर अर्थव्यवस्था के कारण, जिसको हम काला धन कहते हैं, जिस पर टैक्स नहीं भरते हैं, ऐसे धन का संग्रह खड़ा होने लगा। धीरे-धीरे टैक्स के इवेज़न के कारण, देश की तत्कालीन सरकारों की नीतियों के कारण यह धन बढ़ता गया और विदेशी बैंकों में जमा होने लगा। उसकी मात्रा इतनी बढ़ गई कि हमारे सामने जो आँकड़े आए हैं, कोई एक लाख करोड़ कहते हैं, कोई दस लाख करोड़ कहते हैं, सरकार की विभिन्न एजेन्सियाँ 25 लाख करोड़ रुपये तक कहती हैं, 25 लाख करोड़ रुपये तक का काला धन विदेशों के बैंकों में जमा है।

सभापति जी, 2009 का चुनाव मुझे याद है। सबको पता था कि देश में काला धन पैदा होता है। श्रद्धेय आडवाणी जी ने चुनाव में इसको आम जनता का मुद्दा बनाया। पूरे देश को पता चला कि देश में काले धन के कारण आज जो देश की गरीबी, बेरोज़गारी और भुखमरी है, उसके मूल में यह है कि देश में वह काला धन वापस लाने में कांग्रेस की सरकार विफल रही, जिसके कारण देश में यह स्थिति पैदा हुई है। उसके कारण पूरा देश आंदोलित हो गया। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि जब सारे देश में इसकी चर्चा हुई, उसके बाद जनआंदोलन शुरू हुआ, जो बात हमने उठाई, हमारी पार्टी के नेतृत्व ने, श्रद्धेय आडवाणी जी ने उठाई, उसको लेकर देश के विभिन्न समाजसेवकों ने, अनेक संस्थाओं ने देश में आंदोलन किये। आज भी रामलीला मैदान में आंदोलन चल रहा है। ...(व्यवधान) पूरा देश इसके साथ जुड़ा हुआ है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : पाठक जी, आप आसन को संबोधित करें।

श्री हरिन पाठक : आंदोलन के तरीकों से उन्हें एतराज़ हो सकता है मगर आंदोलन का जो मुद्दा है जो मेरी पार्टी ने उठाया कि आप नहीं चाहते हैं कि देश का काला धन वापस आए। ...(व्यवधान)

सभापति जी, हमने मांग की थी कि काले धन के बारे में एक श्वेत-पत्र जारी किया जाए।

सभापति महोदय : हरिन जी, आप उधर देखते क्यों हैं? आप आसन की ओर देखिये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK : I am not yielding. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Nothing, except what is being said by Shri Harin Pathak, will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री हरिन पाठक : सभापति जी, हमने मांग की थी कि काले धन के बारे में इतनी उत्तेजना है और जिसको वापस लाने से देश की आर्थिक स्थिति सुधर सकती है, तो उस पर श्वेत पत्र जारी किया जाए। वह सदन में किया। तत्कालीन वित्त मंत्री जी ने श्वेत-पत्र रखा, मगर श्वेत-पत्र में छिपाया ज्यादा और बताया कम। देश में परिस्थिति यह हुई कि फिर आंदोलन शुरू हो गया। मुझे इस बात का बहुत दुख, वेदना और पीड़ा है कि हमारा तंत्र कैसा है, हमारी सरकार कैसे चलती है। ...(व्यवधान) विक्रम जी आप बैठिये। यह आपका विषय नहीं है। आप गुजरात में चिल्लाओ। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आदरणीय पाठक जी, आप खुद ही उलझते हैं। मैं आपको कह रहा हूँ कि आप आसन की ओर देखिये।

श्री हरिन पाठक : सभापति जी, मैं सदन से प्रार्थना करता हूँ कि ध्यान से सुनें। यूएन रिज़ॉल्यूशन के बाद छोटे-छोटे देशों ने, उनके देशों का जो काला धन विदेशी बैंकों में जमा था, उसको वापस ले लिया। छोटे देशों ने काला धन वापस ले लिया, वह धन अपने देश में वापस लाए और देश की प्रगति और उन्नति में वह काम आया लेकिन हमारी सरकार ने कहा कि 2012 के बाद हम काला धन वापस लाने के लिए ट्रीटी करेंगे, समझौता करेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि 2012 अप्रैल तक यूपीए सरकार ने इस देश का जो काला धन विदेशों में लाखों करोड़ों रुपये पड़ा है, उसको वापस लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया मगर उनको छूट दे दी कि आप काला धन कहीं और ट्रंसफर कर दो। इतना बड़ा अपराध आपने देश के साथ किया। मैं जानना चाहता हूँ कि 2012 अप्रैल पूरा हो गया, 2012 अप्रैल के समझौते पूरे हो गए, उसके बाद सरकार बताए कि कितने पैसे वह काले धन के रूप में देश में वापस लाए। â€¦(व्यवधान) दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि आज आंदोलन के अंदर...(व्यवधान) प्लीज़ आप मेरी बात सुनिए। यह मेरी और आपकी इज्जत का सवाल है...(व्यवधान)

सभापति महोदय : हरिन जी, कृपया करके आप कनक्लूड कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : सभापति जी, मुझे लगता है कि काले धन के बारे में सरकार कुछ छिपाती है, क्योंकि सरकार में बैठे हुए कुछ लोग हैं, जिनका बहुत भारी मात्रा में काला धन विदेशों के बैंकों में पड़ा है, इसलिए वह अपना नाम देश को बताना नहीं चाहते हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं और देश जानना चाहता है कि किन-किन लोगों के पैसे हैं। मेरे पास तो इनफोर्मेशन है, उसमें ऐसा है कि सरकार में बैठे हुए बड़े-बड़े नेता और कुछ लोगों के पैसे विदेशों के बैंकों में हैं। उसके कारण सरकार काले धन के बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाती है। मेरी आपके द्वारा सरकार से मांग है कि वह बताए कि अप्रैल, 2012 के बाद छोटे-छोटे देशों ने जब यह काला धन अपने देशों में वापस लिया तो भारत सरकार कब वापस लाएगी और क्या कदम उठाएगी? आज जो आंदोलन चल रहा है उसको देश का समर्थन है और देश जानना चाहता है कि काला धन देश में कब वापस आएगा? ..(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Those who want to associate may please send their names to the Table of the House.

श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव): सभापति महोदय, मैं सबसे पहले धन्यवाद देना चाहती हूं...(व्यवधान)

सभापति महोदय : संजय जी, अन्नू टण्डन जी बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): महोदय, विपक्ष की तरफ से काले धन के मुद्दे पर जो विषय रखा गया है, मैं उस पर एसोसिएट नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैं एक जानकारी सदन में रखना चाहता हूं...(व्यवधान)

सभापति महोदय : संजय जी, ऐसा तो नहीं होता है। आप ही की दल की अन्नू जी बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : केवल अन्नू टण्डन जी की बात प्रोसीडिंग में जाएगी।

...(व्यवधान) *

MR. CHAIRMAN: The House cannot run in this way. संसदीय कार्य मंत्री जी, कैसे हाउस चलेगा! मैंने अन्नू टण्डन जी को बोला है, लेकिन वह बोले जा रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : संजय जी, आप ही की दल की अन्नू जी बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : कृपया अन्नू जी को बोलने दीजिए। अन्नू जी आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This is not the way.

...(*Interruptions*)

सभापति महोदय : संजय जी, आप तो बड़े अनुभवी सदस्य हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय :

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री ए.टी. नाना पाटील,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री सी.आर.पाटिल,

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ल,

श्री कौशलेन्द्र कुमार,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री अशोक अर्गल,

श्री सोहन पोटाई,

श्री रामसिंह राठवा,

श्री चंदूलाल साहू और

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा अपने को श्री हरिन पाठक द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध करते हैं।